सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

महात्मा हंसराज संकाय संवर्धन केंद्र

(पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अध्ययन केंद्र)

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

के

तत्वावधान में

हंसराज कॉलेज

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'ए ++' ग्रेड प्राप्त)

दिल्ली विश्वविद्यालय

एवं

राम लाल आनंद कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

द्वारा आयोजित

साप्ताहिक संकाय संवर्धन कार्यक्रम (ऑनलाइन)

विषय : हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परंपरा

19 सितम्बर - 25 सितम्बर 2023

पंजीकरण एवं प्रतिभागिता

हेतु आमंत्रण

पंजीकरण लिंक - https://forms.gle/YtG8UcB51AS77z2Y8

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अध्ययन मिशन के बारे में

शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन एक शिक्षक की भूमिका और कार्यप्रणाली को सूचना और ज्ञान के प्रसारकर्ता से बदलकर ऐसे व्यक्ति में बदलने की आवश्यकता पर जोर देता है जो सक्रिय रूप से विकसित होकर और विविध सामाजिक और भौतिक घटनाओं में नई अंतर्दृष्टि पैदा करके मौजूदा ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाता है।

हंसराज कॉलेज के बारे में

हंसराज कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे बड़े घटक कॉलेजों में से एक है और पिछले दशक में कई बार विज्ञान, कला और वाणिज्य के लिए शीर्ष पांच कॉलेजों में से एक के रूप में स्थान दिया गया है। कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों ने शैक्षणिक, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में बहुत योगदान दिया है। कॉलेज के संकाय लगातार उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत रहने के लिए शैक्षणिक और प्रशासनिक रूप से संस्थान के विकास के लिए समर्पित हैं। हंसराज कॉलेज पूर्व छात्र को दुनिया भर में विभिन्न व्यवसायों और सेवाओं में रखा गया है और वे संस्था को प्रसिद्धि और गौरव दिला रहे हैं।

राम लाल आनंद कॉलेज के बारे में

सन 1964 में स्वर्गीय श्री राम लाल आनंद उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकील द्वारा राम लाल आनंद कॉलेज की स्थापना की गई थी। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा सौ प्रतिशत वित्त पोषित के साथ यह कॉलेज पूर्ण रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित है। कॉलेज पूरी तरह से वाई-फ़ाई से जुड़ा उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाएँ, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, सम्मेलन कक्ष, एम्फीथिएटर, पाठागार, खेल का मैदान और कैफेटेरिया से युक्त है। यह एक बहुविषयक, सह संस्थान है मानविकी,वाणिज्य, प्रबंधन और विज्ञान जैसे अलग-अलग पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को दक्षता प्रदान की जाती है| दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के द्वारा बनाए गए नियमों और विश्वविद्यालय अध्यादेशों द्वारा निर्मित प्रबंधक मंडल इस संस्थान को संचालित करते हैं। 43 एड-ऑन सर्टिफ़िकेट पाठ्यक्रम के माध्यम से कॉलेज ने अपने 2000 से अधिक विद्यार्थियों के लिए जीविका उन्मुख कौशल प्रदान किया है। इसके अलावा विद्यार्थियों को नए स्टार्ट-अप और विचारों को अपनाने के लिए भी प्रशिक्षित और प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अतिरिक्त कॉलेज ने वर्षा जल संचयन ,काग़ज़ और ई-कचरे का पुनरावर्तन प्रणाली से पुनः प्रयोग ,कैंटीन से निकले कचरे और पेड़ों से गिरते पत्तों से खाद बनाने के लिए हर्बल गार्डेन में एक कॉम्पोस्टिंग मशीन की व्यवस्था की है।इसी दिशा में कॉलेज में सौर ऊर्जा संचयन के आशय से सोलर पैनल भी स्थापित किए गए हैं। कॉलेज में तरंग 90.0 एफ.एम के नाम से रेडियो स्टेशन की शुरुआत की है जो दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रथम सामुदायिक रेडियो स्टेशन है।

कार्यक्रम के बारे में

भारतीय मिट्टी की गंध से जुड़े लोकसाहित्य की सौंधी सुगंध मानवीय मूल्यों और प्रेम रस से सराबोर है। लोकसाहित्य में लोक की आस्था है जिसमें लोक - संघर्षों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। लोक संचेतना अपनी सारी करुणा लेकर जिस आधार को माध्यम के रूप में चुनती है , लोक साहित्य उसी का प्रतिनिधि है। इस प्रकार लोक साहित्य का विकास लोक - जीवन यात्रा का ही स्वरूप है। लोक साहित्य लोकाभिव्यक्ति का दर्पण है और इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम द्वारा भारतीय संदर्भों में लोक साहित्य और लोक परंपरा के विशिष्ट बिंदुओं का पूर्ण परिचय होगा। लोक जीवन और साहित्य के पारस्परिक संबंधों का तानाबाना साँझा किया जाएगा। लोक जीवन से जुड़ी संवेदनाओं और भावनाओं का परिचय मिलेगा। हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परंपरा के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक पक्ष की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत लोक संस्कृति और लोक परंपरा को सुदृढ़ और पुष्ट करना और इस विषय में प्रोत्साहित कर विशेष अनुसंधानों के लिए शोधार्थियों को प्रेरित करना विशेष पहल है। इसी विचार अभिव्यक्ति को ध्येय बना कर दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विशेष स्नातक पाठ्यक्रम में (DSE) शामिल किया गया है। इस दृष्टि से यह संकाय संवर्धन कार्यक्रम प्राध्यापक और शोधार्थी के लिए विशेष उपयोगी रहेगा।

उद्देश्य

- भारतीय लोकनाट्य सहित्य और लोक परंपरा का अवलोकन कराना।
- लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।
- हिंदी की मौखिक साहित्य की परंपरा से अवगत कराना।
- लोक- भावना और भारत- बोध के बीच संवाद कायम करना।
- अतीत को वर्तमान से जोड़कर उसमें परस्पर समन्वय स्थापित करना।
- जनसमूह को मौखिक और लोक साहित्य की मौलिक सर्जनाओं से परिचित कराना।

उप-विषय

- भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य
- लोक साहित्य और समाज
- मौखिक और लिखित साहित्य का अंतर्सम्बंध
- लिखित लोक साहित्य के विविध रूप
- जनपदीय बोलियाँ एवं साहित्य
- लोकगीतों का सांस्कृतिक बोध
- पारंपरिक साकार गीतों का वैविध्य
- लोक साहित्य में संस्कार गीतों का महत्व
- लोककथा और लोकगाथा: लोकधर्मिता
- लोकनाट्य का रंगमंचीय स्वरूप
- भारतीय लोक साहित्य में राष्ट्रीयता का स्वर

पंजीकरण विवरण

- इच्छुक प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे उल्लिखित चरणों का पालन करें
- प्रतिभागियों को पंजीकरण शुल्क रुपये का भुगतान करना आवश्यक है। निम्नलिखित खाते में एनईएफटी/आईएमपीएस/यूपीआई के माध्यम से पंजीकरण शुल्क जमा करें:
- शुल्क भुगतान हेतु बैंक खाते का विवरण:

शिक्षक / शोधार्थियों के लिए पंजीकरण शुल्क - 500/-

बैंक का नाम - कैनरा बैंक

खाता संख्या - 2848101019873

शाखा- हंसराज कॉलेज, दिल्ली

IFSC कोड - CNRB0002848

- ध्यान दें: शुल्क वापसी योग्य नहीं है (Fee is Non-Refundable)
- कार्यक्रम के लिए पूर्व-पंजीकरण केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से है।
- प्रतिभागियों को निम्नलिखित लिंक का उपयोग करके पंजीकरण फॉर्म भरना होगा (पंजीकरण फॉर्म भरने से पहले आपके पास भुगतान प्रमाण होना आवश्यक है):
- पंजीकरण लिंक:- https://forms.gle/YtG8UcB51AS77z2Y8
- पंजीकरण की अंतिम तिथि - 15 सितम्बर 2023

सहभागिता हेतु दिशा -निर्देश

- इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय/महाविद्यालय या अन्य उच्च शिक्षा संस्थान में कार्यरत नियमित/तदर्थ शिक्षक भाग ले सकते हैं।
- किसी भी विषय के शोधार्थी/ पोस्ट डॉक्टरेट शोधार्थी भाग ले सकते हैं।
- प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है।
- प्रतिभागियों की उपस्थिति अनिवार्य है।
- प्रतिदिन सत्र के अंत में मूल्यांकन परीक्षा होगी।
- ई-प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम के अंतिम दिन मूल्यांकन परीक्षा होगी, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

आयोजक मंडल

महात्मा हंसराज संकाय विकास प्रकोष्ठ समिति

संरक्षक

पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी

अध्यक्ष गवर्निंग बॉडी

हंसराज कॉलेज

अध्यक्ष, महात्मा हंसराज संकाय विकास प्रकोष्ठ

प्रो. रमा

प्राचार्या, हंसराज कॉलेज

समन्वयक, एम.एच.आर.एफ.डी.सी

श्री आशुतोष यादव

सह समन्वयक, एम.एच.आर.एफ.डी.सी

सुश्री दीपशिखा यादव

डॉ. अनुराग कक्कड़

राम लाल आनंद कॉलेज समिति

मुख्य संरक्षक

श्री संतोष तनेजा,

अध्यक्ष गवर्निंग बॉडी

राम लाल आनंद कॉलेज

संरक्षक

प्रो. राकेश कुमार गुप्ता

प्राचार्य, राम लाल आनंद कॉलेज

कार्यक्रम संयोजक

प्रो. अर्चना गौड़

कार्यक्रम समन्वयक

प्रो. संजय कुमार

कार्यक्रम संचालन समिति

प्रो. सुभाष चंद्र डबास

प्रो. राकेश कुमार

प्रो. श्रुति आनंद